लकुलीश सनातन संस्कृति प्रबोधन अभियान

भगवान शिवजी के अड्ठाईसवें अवतार लकुलीशजी के शिवसंकल्प "विश्व में सनातन संस्कृति पुनरुत्थान" कार्य को साकार करने हेतु पूज्य प्रितम मुनिजी द्वारा भारत देश की राजधानी दिल्ली में 2010 में दिल्ली में "लकुलीश सनातन संस्कृति प्रबोधन अभियान (दिल्ली)" संस्था और 2014 में कायावरोहण, वडोदरा में "लकुलीश सनातन संस्कृति प्रबोधन अभियान" संस्था की स्थापना की गई। इस संस्थाओं की स्थापना का **उद्देश्य "भगवान लकुलीशजी" के शिव संकल्प "सनातन संस्कृति पुनरुत्थान" को साकार करने नैतिकता, सात्त्विकता, आध्यात्मिकता के प्रसार और परमार्थ कार्यो द्वारा विश्व में शांति, नीति, एकता की स्थापना करना है।**

शिव संकल्प "विश्व में सनातन संस्कृति पुनरुत्थान" कार्य को साकार करने हेतु पूज्य प्रितम मुनिजी द्वारा "लकुलीश सनातन संस्कृति प्रबोधन अभियान" की सभी संस्थाओं का मुख्यालय भगवान लकुलीशजी का ऐतिहासिक स्थान सिद्धक्षेत्र कायावरोहण में 2011 में "लकुलीशधाम" नाम से स्थापित किया गया। जो लकुलीशधाम, प्रितमपुरम, कायावरोहण के नाम से प्रसिद्ध रहेगा।

शिवजी के अड्ठाईसवे अवतार लकुलीशजी के शिव संकल्प "विश्व में सनातन संस्कृति पुनरुत्थान" हेतु पूज्य प्रितम मुनिजी ने निवृत्ति पक्ष और प्रवृत्ति पक्ष के संकल्पबद्ध शिष्यों की चार मंडलीयों की रचना कर चार दिशाओ में चार मुख्यालय की स्थापना द्वारा लकुलीशधाम, कायावरोहण से "सनातन संस्कृति पुनरुत्थान" का 1100 वर्ष (2013 से 3113) का वैश्विक आयोजन किया। **पूज्य प्रितम मुनिजी ने चार मंडलीयों के मुख्यालय और कार्यक्षेत्र निश्चित किये है। पश्चिम मंडली** का मुख्यालय लकुलीशधाम, कायावरोहण और कार्यक्षेत्र पश्चिम भारत, उत्तर अमरीका, दक्षिण अमरीका निर्णित किया। **पूर्व मंडली** का मुख्यालय काशी और कार्यक्षेत्र पूर्व दक्षिण एशिया, ओस्ट्रेलियन देशो, **उत्तर मंडली** का मुख्यालय हरिद्वार और कार्यक्षेत्र उत्तर भारत, युरोपीयन देशो, उत्तर एशिया और **दक्षिण मंडली** का मुख्यालय बेंग्लोर और कार्यक्षेत्र दक्षिण भारत, अफ्रिकन देश, मध्य पूर्व एशिया निर्णित किया।